

# GUJARAT UNIVERSITY AHMEDABAD



गुजरात युनिवर्सिटी, अमदावाद – 380009 (गुजरात)  
GUJARAT UNIVERSITY, AHMEDABAD - 380009 (GUJARAT)  
(Re-Accredited Grade B +, By NAAC)

संस्कृतविभागः  
DEPARTMENT OF SANSKRIT

पाठ्यक्रमः  
SYLLABUS

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM  
B.A. HONOURS (SANSKRIT)  
(SEMESTER SYSTEM)

IMPLIMENTATION FROM JUNE, 2023 - 24  
(Meeting of the Board of Studies in Sanskrit, Gujarat University, Ahmedabad.  
Held on 18/04/2023)

**U.G. COURSES IN SANSKRIT CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**

**SEMESTER:1**

COURSE TYPE	COURSE	COURSE NAME	CREDIT	WORK HOURS WEEK
DISCIPLINE SPECIFIC COURSE - MAJOR	DSCM - 101	नीतिशतकम्	3	3
	DSCM - 102	स्वप्रवासवदत्तम्	3	3
MINOR	MI - 101	नीतिशतकम्	3	3
	MI - 102	स्वप्रवासवदत्तम्	3	3
MULTI DISCIPLINARY COURSES	MD - 101	कुमारसंभवम् (सर्ग:- 5)	3	3
ABILITY ENHANCEMENT COURSE (LANGUAGE)	AEC - 101	पञ्चतन्त्रम् (नियतांशः)	3	3
SKILL ENHANCEMENT ABILITY COURSE	SEC - 101	वैदिकगणितम् (नियतांशः)	3	3
COMMON VALUE ADDED COURSE	CVAC - 101	श्रीमद्भगवद्गीता (तृतीयः एवं दसम, अध्यायः, यक्ष- युधिष्ठिर-संवादः)	3	3

**U.G. COURSES IN SANSKRIT CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**

**SEMESTER:2**

COURSE TYPE	COURSE	COURSE NAME	CREDIT	WORK HOURSE WEEK
DISCIPLINE SPECIFIC COURSE - MAJOR	DSCM - 201	रघुवंशम् – सर्गः-1	3	3
	DSCM - 202	श्रीमद्भगवद्गीता (1तः6 अध्यायाः),	3	3

		अष्टाङ्गयोगस्य परिचयः		
MINOR	MI - 201	रघुवंशम् – सर्गः-1	3	3
	MI - 202	श्रीमद्भगवद्गीता (1तः6 अध्यायाः), अष्टाङ्गयोगस्य परिचयः	3	3
MULTI DISCIPLINARY COURSES	MD - 201	सिन्धुवादवृत्तम्	3	3
ABILITY ENHANCEMENT COURSE (LANGUAGE)	AEC - 201	हितोपदेशः (नियतांशः)	3	3
SKILL ENHANCEMENT ABILITY COURSE	SEC - 201	वास्तुविज्ञानम् (भारतीय वास्तु विद्या)	3	3
COMMON VALUE ADDED COURSE	CVAC - 101	श्रीमद्भगवद्गीता (द्वादशः एवं षोडशः अध्यायः, सभापर्व कश्चिदध्यायः)	3	3

**U.G. COURSES IN SANSKRIT CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**  
**SEMESTER: 3**

COURSE TYPE	COURSE	COURSE NAME	CREDIT	WORK HOURSE WEEK
DISCIPLINE SPECIFIC COURSE - MAJOR	DSCM - 301	ईशोपनिषद्	3	3
	DSCM - 302	संस्कृतकाव्यसाहि त्येतिहासः	3	3
	DSCM - 303	रत्नावली	3	3
	DSCM - 304	संज्ञाप्रकरणम् – पञ्चसंधिः	3	3

		(लघुसिद्धान्तकौमुदी)		
MINOR	MI - 301	ईशोपनिषद्	3	3
	MI - 302	संस्कृतकाव्यसाहित्येतिहासः	3	3
MULTI DISCIPLINARY COURES	MD - 301	भगवदज्जुकीयम्	3	3
ABILITY ENHANCEMENT COURSE (LANGUAGE)	AEC – 301	लौकिकसंस्कृत न्यायाः	3	3

**U.G. COURSES IN SANSKRIT CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**  
**SEMESTER: 4**

COURSE TYPE	COURSE	COURSE NAME	CREDIT	WORK HOURSE WEEK
DISCIPLINE SPECIFIC COURSE - MAJOR	DSCM - 401	काव्यप्रकाशः - उल्लासः- 1,2(1तः7 कारिकाः) &10 (नियतालङ्काराः)	3	3
	DSCM - 402	वैदिकसाहित्येतिहासः	3	3
	DSCM - 403	ऋग्वेदः (नियतसूक्तानि)	3	3
	DSCM - 404	भाषाप्राविण्यम् (संस्कृतवाक्यप्रबोधः)	3	3
MINOR	MI - 401	काव्यप्रकाशः - उल्लासः- 1,2(1तः7	3	3

		कारिकाः) &10 (नियतालङ्काराः)		
	MI - 402	वैदिकसाहित्येति हासः	3	3
ABILITY ENHANCEMENT COURSE (LANGUAGE)	AEC – 401	वाल्मीकि- रामायणम् (S.R. Ranganathan)	3	3
SKILL ENHANCEMENT ABILITY COURSE	SEC – 401	आयुर्वेदः (परिचयः, चरकसंहिता – स्वस्थ चतुष्कम् – 5 तः 8 अध्यायाः)	3	3

**U.G. COURSES IN SANSKRIT CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**  
**SEMESTER: 5**

COURSE TYPE	COURSE	COURSE NAME	CREDIT	WORK HOURSE WEEK
DISCIPLINE SPECIFIC COURSE - MAJOR	DSCM - 501	अभिज्ञानशाकुन्तल म्	3	3
	DSCM - 502	रामायणम् (अयोध्याकाण्डः)	3	3
	DSCM - 503	चतुःसूत्री	3	3
	DSCM - 504	कारकप्रकरणम् (वैयाकरणसिद्धान्त कौमुदी)	3	3
	DSCMI - 505	सांख्यकारिका	3	3
	DSCMI - 506	कौटिल्य- अर्थशास्त्रम् (प्रथमाधिकरणम्)	3	3
MINOR	MI - 501	अभिज्ञानशाकुन्तल म्	3	3

	MI - 502	रामायणम् (अयोध्याकाण्डः)	3	3
--	----------	-----------------------------	---	---

**U.G. COURSES IN SANSKRIT CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**  
**SEMESTER: 6**

COURSE TYPE	COURSE	COURSE NAME	CREDIT	WORK HOURSE WEEK
DISCIPLINE SPECIFIC COURSE - MAJOR	DSCM - 601	मनुस्मृतिः (अध्यायः - 02)	3	3
	DSCM - 602	महाभारतम् (विराट्पर्व)	3	3
	DSCM - 603	सूक्तानि (यजुर्वेदः - शिवसंकल्पसूक्तम्, प्रजापतिसूक्तम् अथर्ववेदः - राष्ट्राभिवर्धनसूक्तम्, भूमिसूक्तम्)	3	3
	DSCM - 604	अज्ञातकर्तृकं समासचक्रम्, छन्दांसि (12)	3	3
	DSCM - 605	तर्कसंग्रहः	3	3
	DSCM - 606	भाषाविज्ञानम्	3	3
MINOR	MI - 601	मनुस्मृतिः (अध्यायः - 02)	3	3
	MI - 602	महाभारतम् (विराट्पर्व)	3	3

**U.G. COURSES IN SANSKRIT CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**  
**SEMESTER: 7**

COURSE TYPE	COURSE	COURSE NAME	CREDIT	WORK HOURSE
-------------	--------	-------------	--------	-------------

				WEEK
DISCIPLINE SPECIFIC COURSE - MAJOR	DSCM - 701	उत्तररामचरितम्	3	3
	DSCM - 702	EA-मत्स्यपुराणम् (नियतांशः) EB - समासप्रकरणम् EC-शाङ्करभाष्यम् (स्मृतिपादः) ED- नाट्यशास्त्रम् (षष्ठः अध्यायः)	3	3
	DSCM - 703	निरुक्तम् (प्रथम- द्वितीय-सप्तम- अध्यायाः)	3	3
	DSC - 704	याज्ञवल्क्यस्मृतिः (व्यवहाराध्यायः), संस्कृतनिबन्धाः	3	3
	DSCM - 705	साहित्यदर्पणः (षष्ठः परिच्छेदः)	3	3
	DSCM - 706	श्रीमद्भागवतमहापु राणम् (रासपञ्चाध्यायी – दशमस्कन्धस्य 29तः33 अध्यायाः)	3	3
MINOR	MI - 701	अभिलेखविद्या एवं लिपिविज्ञानम्, पाठसम्पादनकला	3	3
	MI – 702	Computer Skill & Cyber Security	3	3

**U.G. COURSES IN SANSKRIT CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**  
**SEMESTER: 8**

COURSE TYPE	COURSE	COURSE NAME	CREDIT	WORK HOURSE WEEK
DISCIPLINE SPECIFIC COURSE - MAJOR	DSCM - 801	कादम्बरी (शुकनासोपदेशः)	3	3
	DSCM - 802	EA-विष्णुपुराणम् (नियतांशः) EB-महाभाष्यम् (पशुपशाहिकम्) EC अणुभाष्यम् (त्रिसूत्री) ED ध्वन्यालोकः (प्रथमोद्योतः)	3	3
	DSCM - 803	तैत्तरेयोपनिषद्	3	3
	DSCM - 804	पातञ्जलयोगसूत्रम् – समाधिपादः	3	3
	DSCM - 805	दशरूपकम् – प्रथमः प्रकाशः	3	3
	DSCM - 806	पाणिनीयशिक्षा	3	3
	MINOR	MI - 801	संस्कृत वाङ्मय में विज्ञान का इतिहास (NCERT)	3
MI - 802		Research Methodology	3	3



**U.G. COURSES IN SANSKRIT CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**  
**SEMESTER: 8 RH**

COURSE TYPE	COURSE	COURSE NAME	CREDIT	WORK HOURSE WEEK
DISCIPLINE SPECIFIC COURSE - MAJOR	DSCM - 801	कादम्बरी (शुकनासोपदेशः)	3	3
	DSCM - 802	EA-विष्णुपुराणम् (नियतांशः) EB-महाभाष्यम् (पशुशाहिकम्) EC - अणुभाष्यम् (त्रिसूत्री) ED - ध्वन्यालोकः (प्रथमोद्योतः)	3	3
MINOR	MI - 801	संस्कृत वाङ्मय में विज्ञान का इतिहास (NCERT)	3	3
	MI – 802	Research Methodology	3	3

**SEMESTER :I**

**U.G. COURSES IN SANSKRIT**  
**CHOICE BASED CREDIT SYSTEM FIRST YEAR B.A.**  
**SEMESTER: I DISCIPLINE SPECIFIC COURSE - MAJOR**  
**DSCM- SANS - 101 – मुक्तककाव्य (Liberation poetry )**

COURSENO.	CREDIT	WORK HOURS	EXAM HOURS	TEXT/TOPICS
DSCM-101	3	3	3	भर्तृहरिकृतम् नीतिशतकम् (नियतांशः) (Selected verses from the Neetishatakam) (सं.- प्रा.श्रीदामोदर धर्मानन्द कोसम्भीना पाठ अनुसार)
<b>Objectives</b>	This course aims to get the students acquainted with the outline of Sanskrit Nilitliterature including the text readings of the 'Neetishatakam'			
DSCM-101			Self- study	<b>Unit – 1.</b> नियत 15 श्लोको(1 थी 15) <b>Unit –2.</b> नियत 15 श्लोको(16 थी 30) <b>Unit –3.</b> नियत 15 श्लोको(31 थी 45) <b>Units –4.</b> नियत 15 श्लोको(46 थी 60) <b>0.निर्धारित श्लोकोनी सूचि नीये आपवामां आवी छे.</b> <b>0.अनुवाद संदर्भे आ श्लोकोनो लावानुवाद अपेक्षित छे.</b> <b>(Self study)</b>
<b>Learning Outcomes</b>	-Ability to embraces moral/ethical values in conducting his/her life. -Capable of demonstrating the ability to identify ethical issues related to one's work. -Avoid unethical behavior.			
<b>नीतिशतकम् निर्धारितश्लोको</b>				
<b>युनिट – 1</b>				

क्रम	ग्रन्थस्थश्लोक संख्या	श्लोकादि	विषय
1	3	प्रसह्यमणिमुद्धरेत्	मूर्खजनउपहास
2	4	लभेत्सिकतासु	मूर्खजनउपहास
3	9	विपदिधौर्यम्	महात्मा लक्षण
4	10	निन्दन्तुनीतिनिपुणाः	धीरपुरुषलक्षण
5	15	मनसि वचसि	सज्जनलक्षण
6	16	इतः स्वपिति	महापुरुषलक्षण
7	28	सम्पत्सु महताम्	महापुरुषलक्षण
8	41	नमत्वेनोन्नमन्तः	सत्पुरुषलक्षण
9	49	वाञ्छासज्जनसंगमे	उत्तमपुरुषनागुण
10	51	तृष्णांछिन्धि	सदाचरणउपदेश
11	65	रत्नैर्महाहैःतुतुषुर्न	धीरत्ववर्णन
12	78	प्रदानंप्रच्छत्रम्	सज्जनलक्षण
13	80	भवन्तिनम्राः तरवः	परोपकारीनुलक्षण
14	81	पद्माकरंदिनकरः	परोपकारीनुलक्षण
15	94	वहतिभुवनश्रेणीम्	महापुरुषनुचरित्र
➤ भावानुवाद भाटेना श्लोको		3,9,10,41,51,78,80,81,94	

**नीतिशतकम् निर्धारितश्लोको**  
**युनिट -2**

क्रम	ग्रन्थस्थश्लोक संख्या	श्लोकादि	विषय
1	7	परिक्षीणःकश्चित्	समयनीबलवत्ता
2	11	हर्तुर्यातिन गोचरम्	विद्याप्रशंसा
3	13	क्षुत्क्षामोऽपि	सत्त्ववान्प्रकृति
4	18	क्वचिद्भूमौ शय्या	संकल्पवान्व्यक्तित्व
5	20	नमस्यामोदेवान्	कर्मनीमहत्ता
6	39	कुसुमस्तबकस्येव	सत्त्ववान्प्रकृति
7	43	अम्भोजिनीवन...	सत्त्ववान्प्रकृति
8	44	खल्वाटो ...	दुर्भागीमाणस
9	45	नैवाकृतिः ....	कर्मनीमहत्ता
10	59	नेता यत्रबृहस्पतिः	दैवनीप्रबळता

11	69	यद्भ्रात्रानिजभाल....	भाग्यनीबलवत्ता
12	86	यदचेतमनोऽपि	तेजस्वीपुरुषनुं लक्षण
13	91	विद्या नामनरस्य	विद्यानुंमहत्त्व
14	96	परिवर्तिनिसंसारे	व्यावहारिकउपदेश
15	98	सिंहःशिशुरपि	सत्त्ववान्माणसनी प्रकृति
➤ भावानुवाद माटेना श्लोको		11,18, 20, 44, 45, 59, 69, 86, 91	

नीतिशतकम् निर्धारितश्लोको			
युनिट -3			
क्रम	ग्रन्थस्थश्लोक संख्या	श्लोकादि	विषय
1	5	शशीदिवसधूसरो...	प्रकृति-क्रमअने माणसनी रुचि
2	6	मणिशाणोल्लीढ..	प्रकृति-क्रमअने माणसनी रुचि
3	21	दौर्मन्यात् ..	विनाशनाकारणो
4	22	जाड्यं हीमति...	गुणद्वेषी वर्णन
5	23	जातिर्यातु रसातलम्	लोभीपुरुषनुं लक्षण
6	30	दुर्जनःपरिहर्तव्यो...	व्यावहारिकनीति
7	37	सन्तप्तायसि ...	संगतिनुंफळ
8	42	लोभश्चेदगुणेन	जीवननुंसत्य
9	48	जाड्यंधियो हरति	संगतिनुंफळ
10	58	वरंप्राणच्छेदः	व्यावहारिकउपदेश
11	66	सन्त्यन्योऽपि	दुर्जनलक्षण
12	75	अकरुणत्वमकारण..	दुरात्माप्रकृति
13	90	उद्भासिताखिलखलस्य	दुर्जनलक्षण
14	92	दाक्षिण्यंस्वजने	व्यावहारिकउपदेश
15	93	करेश्लाघ्यस्त्यागः ...	व्यावहारिकउपदेश
➤ भावानुवाद माटेना श्लोको		5, 6, 21, 22, 23, 37, 42, 48, 92	

## नीतिशतकम् निर्धारितश्लोको

### युनिट -4

क्रम	ग्रन्थस्थश्लोक संख्या	श्लोकादि	विषय
1	31	क्षीरेणात्मगतोदकाय	मैत्रीनुंसौन्दर्य
2	34	स्वल्पस्नायुवशाद्	सद्भागीनीप्रकृति
3	35	पापान्निवारयति	मित्रनुंलक्षण
4	36	मृगमीनसज्जनानाम्	सहज शत्रु
5	40	मौनान्मूकः	सेवाधर्मनी दुष्करता
6	46	ऐश्वर्यस्यविभूषणम्	जीवननो सार
7	47	एतेसत्पुरुषाः	उत्तमादिपुरुष लक्षण
8	63	दानं भोगोनाशः	धननी गति
9	64	यस्यास्तिवित्तम्	धननुंमहत्त्व
10	68	जयन्ति ते	कविप्रशंसा
11	70	लाङ्गुलचालनम्	धीराधीरलक्षण
12	71	राजन्दुघुक्षसि	राज्यकारभारनीविलक्षणता
13	72	सत्यानृता...	राजनीतिनुंस्वरूप
14	77	आरम्भगुर्वी	मैत्रीनुंस्वरूप
15	88	आज्ञाकीर्तिः	राजसेवानुंफळ
<p style="color: red;">➤ भावानुवाह माटेना श्लोको</p>		<b>31, 35, 40, 46, 47, 64, 70, 72</b>	

### Reference Books:

1	Kale, M.R (Ed.) <i>Nitishatakam</i> , MLBD, Delhi
2	नीतिशतकम्. संपा.द्वे सुरेश ज,सरस्वती पुस्तक भंडार. अमदावाह. प्रथम आवृत्ति.
3	नीतिशतकम्(मनोरमा हिन्दी-व्याख्या सहित). पाण्डेय,ओमप्रकाश. चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन. वाराणसी । (१९८२)
4	नीतिशतकम् संपा शर्मा गोपाल।, हंसा प्रकाशन, जयपुर। (२००७)
5	<a href="https://youtu.be/hs0FUjf1ai">https://youtu.be/hs0FUjf1ai</a>
6	<a href="https://youtu.be/zvAsJ7M0nR0">https://youtu.be/zvAsJ7M0nR0</a>

**SEMESTER :I**  
**U.G. COURSES IN SANSKRIT**  
**CHOICE BASED CREDIT SYSTEM FIRST YEAR B.A.**  
**SEMESTER: I DISCIPLINE SPECIFIC COURSE - MAJOR**  
**DSCM- SANS - 102 - Sanskrit Drama (स्वप्रवासवदत्तम्)**

COURSE NO.	CREDIT	WORK HOURS	EXAM HOURS	TEXT/TOPICS
<b>Objectives</b>				<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ This course aims to acquaint students with most famous drama of Sanskrit Literature.</li> <li>➤ The course also seeks to help students to negotiate texts independently.</li> </ul>
<b>DSCM-102</b>	<b>3</b>	<b>3</b>	<b>3</b>	<b>Sanskrit Drama (स्वप्रवासवदत्तम्)</b>
<b>DSCM-102</b>			Self-study	Unit- -1. नाट्यकार भासनुं-शुवन, समय, अने कवन, तथा विशेषताओ अने स्वप्रवासवदत्तम् (अङ्कः:1) Unit - 2. स्वप्रवासवदत्तम् (अङ्कः: 2 – 3 - 4) Unit - 3. स्वप्रवासवदत्तम् (अङ्कः: 5 – 6) Unit - 4. संस्कृत-नाटकनां वक्षषो, उत्पत्ति अने विकास, नाट्यकार भास, भासनो मनोवैज्ञानिक अभिगम (Self-study)
<b>Learning Outcomes</b>				<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ An increased ability to read and understand Sanskrit text</li> <li>➤ Students would be knowing basic familiarity of the Sanskrit culture and religious background.</li> <li>➤ Identify and describe literary characteristics of poetic forms</li> <li>➤ This course will enhance competence in chaste classical Sanskrit and give them skills in translation and interpretation of poetic works</li> </ul>
<b>Reference Books:</b>				
<b>1</b>	भासनाट्यचक्र, आचार्य बलदेव उपाध्याय			
<b>2</b>	भासनाट्यचक्र, गंगासागर राय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी			
<b>3</b>	भासना रूपकोनुं अनुशीलन, डॉ. वसन्तकुमार भट्ट, सरस्वती प्रकाशन, अमदावाड			

4	दशरूपकम् संपादक, डॉ. आर.पी. महेता, सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाद, 2010-11
5	संस्कृत नाटकोनो परियय, डॉ. तपस्वी नान्दी, युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बोर्ड, गांधीनगर
6	संस्कृत नाट्य समीक्षा, लेखक, डॉ. डी. ज़. वेदिया, डॉ. द्विविधुश पटेल, डॉ. मंजुवा वीरडिया, भारत प्रकाशन, अमदावाद, प्रथम आवृत्ति, 2012
7	<a href="https://youtu.be/ndEDghz6kDs">https://youtu.be/ndEDghz6kDs</a>
8	<a href="https://youtu.be/oeZaOuTg8uk">https://youtu.be/oeZaOuTg8uk</a>

**SEMESTER :I**

**U.G. COURSES IN SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM FIRST YEAR B.A.  
SEMESTER: I DISCIPLINE SPECIFIC COURSE – MINOR  
MI- SANS - 101 मुक्तककाव्य (Liberation poetry )**

COURSENO.	CREDIT	WORK HOURS	EXAM HOURS	TEXT/TOPICS
MI-101	3	3	3	भर्तृहरिकृतम् नीतिशतकम् (नियतांशः) (Selected verses from the Neetishatakam) (सं.- प्रा.श्रीदामोदर धर्मानन्द कोसम्भीना पाठ अनुसार)
<b>Objectives</b>	This course aims to get the students acquainted with the outline of Sanskrit Nitiliterature including the text readings of the 'Neetishatakam'			
MI-101			Self-study	<b>Unit – 1.</b> नियत 15 श्लोको(1 थी 15) <b>Unit –2.</b> नियत 15 श्लोको(16 थी 30) <b>Unit –3.</b> नियत 15 श्लोको(31 थी 45) <b>Units –4.</b> नियत 15 श्लोको(46 थी 60) <b>0.निर्धारित श्लोकोनी सूचि नीचे आपवामां आवी छे.</b>

				<b>0.अनुवाद संदर्भे आ श्लोकानो भावानुवाद अपेक्षित छे. (Self study)</b>
<b>Learning Outcomes</b>	-Ability to embraces moral/ethical values in conducting his/her life. -Capable of demonstrating the ability to identify ethical issues related to one's work. -Avoid unethical behavior.			

नीतिशतकम् निर्धारितश्लोको			
युनिट - 1			
क्रम	ग्रन्थस्थश्लोक संख्या	श्लोकादि	विषय
1	3	प्रसह्यमणिमुद्धरेत्	मूर्खजनउपहास
2	4	लभेत्सिकतासु	मूर्खजनउपहास
3	9	विपदिधौर्यम्	महात्मा लक्षण
4	10	निन्दन्तुनीतिनिपुणाः	धीरपुरुषलक्षण
5	15	मनसि वचसि	सज्जनलक्षण
6	16	इतःस्वपिति	महापुरुषलक्षण
7	28	सम्पत्सुमहताम्	महापुरुषलक्षण
8	41	नमत्वेनोन्नमन्तः	सत्पुरुषलक्षण
9	49	वाञ्छासज्जनसंगमे	उत्तमपुरुषनागुण
10	51	तृष्णांछिन्धि	सदाचरणउपदेश
11	65	रत्नैर्महाहैःतुतुषुर्न	धीरत्ववर्णन
12	78	प्रदानंप्रच्छन्नम्	सज्जनलक्षण
13	80	भवन्तिनम्राः तरवः	परोपकारीनुलक्षण
14	81	पद्माकरंदिनकरः	परोपकारीनुलक्षण
15	94	वहतिभुवनश्रेणीम्	महापुरुषनुचरित्र
➤ भावानुवाद माटेना श्लोको		3,9,10,41,51,78,80,81,94	

नीतिशतकम् निर्धारितश्लोको	
युनिट -2	



क्रम	ग्रन्थस्थश्लोक संख्या	श्लोकादि	विषय
1	7	परिक्षीणःकश्चित्	समयनीबलवत्ता
2	11	हर्तुर्यातिन गोचरम्	विद्याप्रशंसा
3	13	क्षुत्क्षामोऽपि	सत्त्ववान्प्रकृति
4	18	क्वचिद्भूमौ शय्या	संकल्पवान्व्यक्तित्व
5	20	नमस्यामोदेवान्	कर्मनीमहत्ता
6	39	कुसुमस्तबकस्येव	सत्त्ववान्प्रकृति
7	43	अम्भोजिनीवन...	सत्त्ववान्प्रकृति
8	44	खल्वाटो ...	दुर्भागीमाणस
9	45	नैवाकृतिः ....	कर्मनीमहत्ता
10	59	नेता यत्रबृहस्पतिः	दैवनीप्रबळता
11	69	यद्भ्रात्रानिजभाल....	भाग्यनीबलवत्ता
12	86	यदचेतमनोऽपि	तेजस्वीपुरुषनुं लक्षण
13	91	विद्या नामनरस्य	विद्यानुंमहत्त्व
14	96	परिवर्तिनिसंसारे	व्यावहारिकउपदेश
15	98	सिंहःशिशुरपि	सत्त्ववान्माणसनी प्रकृति
➤ भावानुवाद भाटेना श्लोको		<b>11,18, 20, 44, 45, 59, 69, 86, 91</b>	

### नीतिशतकम् निर्धारितश्लोको

#### युनिट -3

क्रम	ग्रन्थस्थश्लोक संख्या	श्लोकादि	विषय
1	5	शशीदिवसधूसरो...	प्रकृति-क्रमअने माणसनी रुचि
2	6	मणिशाणोल्लीढ..	प्रकृति-क्रमअने माणसनी रुचि
3	21	दौर्मन्त्र्यात् ..	विनाशनाकारणो
4	22	जाड्यं हीमति...	गुणद्वेषी वर्णन
5	23	जातिर्यातु रसातलम्	लोभीपुरुषनुं लक्षण
6	30	दुर्जनःपरिहर्तव्यो...	व्यावहारिकनीति
7	37	सन्तप्तायसि ...	संगतिनुंफळ
8	42	लोभश्चेदगुणेन	जीवननुंसत्य
9	48	जाड्यंधियो हरति	संगतिनुंफळ

10	58	वरंप्राणच्छेदः	व्यावहारिकउपदेश
11	66	सन्त्यन्योपि	दुर्जनलक्षण
12	75	अकरुणत्वमकारण..	दुरात्माप्रकृति
13	90	उद्भासिताखिलखलस्य	दुर्जनलक्षण
14	92	दाक्षिण्यंस्वजने	व्यावहारिकउपदेश
15	93	करेश्लाघ्यस्त्यागः ...	व्यावहारिकउपदेश
➤ भावानुवाह माटेना श्लोको		<b>5, 6, 21, 22, 23, 37, 42, 48, 92</b>	

नीतिशतकम् निर्धारितश्लोको			
युनिट -4			
क्रम	ग्रन्थस्थश्लोक संख्या	श्लोकादि	विषय
1	31	क्षीरेणात्मगतोदकाय	मैत्रीनुंसौन्दर्य
2	34	स्वल्पस्नायुवशाद्	सद्भागीनीप्रकृति
3	35	पापान्निवारयति	मित्रनुंलक्षण
4	36	मृगमीनसज्जनानाम्	सहज शत्रु
5	40	मौनान्मूकः	सेवार्थमनी दुष्करता
6	46	ऐश्वर्यस्यविभूषणम्	जीवननो सार
7	47	एतेसत्पुरुषाः	उत्तमादिपुरुष लक्षण
8	63	दानं भोगोनाशः	धननी गति
9	64	यस्यास्तिवित्तम्	धननुंमहत्त्व
10	68	जयन्ति ते	कविप्रशंसा
11	70	लाङ्गुलचालनम्	धीराधीरलक्षण
12	71	राजन्दुघुक्षसि	राज्यकारभारनीविलक्षणता
13	72	सत्यानृता...	राजनीतिनुंस्वरूप
14	77	आरम्भगुर्वी	मैत्रीनुंस्वरूप
15	88	आज्ञाकीर्तिः	राजसेवानुंफळ
➤ भावानुवाह माटेना श्लोको		<b>31, 35, 40, 46, 47, 64, 70, 72</b>	

#### Reference Books:

1	Kale, M.R (Ed.) <i>Nitishatakam</i> , MLBD, Delhi
---	---

2	नीतिशतकम्. संपा.द्वे सुरेश ज. ,सरस्वती पुस्तक भंडार. अमदावाद. प्रथम आवृत्ति.
3	नीतिशतकम्(मनोरमा हिन्दी-व्याख्या सहित). पाण्डेय,ओमप्रकाश. चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन. वाराणसी । (१९८२)
4	नीतिशतकम् संपा शर्मा गोपाल।, हंसा प्रकाशन, जयपुर। (२००७)
5	<a href="https://youtu.be/hs0FUjf1ai">https://youtu.be/hs0FUjf1ai</a>
6	<a href="https://youtu.be/zvAsJ7M0nR0">https://youtu.be/zvAsJ7M0nR0</a>

**SEMESTER :I**

**U.G. COURSES IN SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM FIRST YEAR B.A.  
SEMESTER: I DISCIPLINE SPECIFIC COURSE - MINOR  
MI- SANS - 102 - Sanskrit Drama (स्वप्रवासवदत्तम्)**

COURSE NO.	CREDIT	WORK HOURS	EXAM HOURS	TEXT/TOPICS
MI-102	3	3	3	Sanskrit Drama (स्वप्रवासवदत्तम्)
<b>Objectives</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ This course aims to acquaint students with most famous drama of Sanskrit Literature.</li> <li>➤ The course also seeks to help students to negotiate texts independently.</li> </ul>			
<b>MI-102</b>			Self-study	Unit- -1. नाट्यकार भासनुं-जुवन, समय, अने कवन, तथा विशेषताओ अने स्वप्रवासवदत्तम् (अङ्कः:1) Unit - 2. स्वप्रवासवदत्तम् (अङ्कः: 2 – 3 - 4) Unit - 3. स्वप्रवासवदत्तम् (अङ्कः: 5 – 6) Unit - 4. संस्कृत-नाटकनां लक्षणो, उत्पत्ति अने विकास, नाट्यकार भास, भासनो मनोवैज्ञानिक अभिगम (Self-study)

<b>Learning Outcomes</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ An increased ability to read and understand Sanskrit text</li> <li>➤ Students would be knowing basic familiarity of the Sanskrit culture and religious background.</li> <li>➤ Identify and describe literary characteristics of poetic forms</li> <li>➤ This course will enhance competence in chaste classical Sanskrit and give them skills in translation and interpretation of poetic works</li> </ul>
--------------------------	---

<b>Reference Books:</b>	
1	भासनाट्यचक्र, आचार्य बलदेव उपाध्याय
2	भासनाट्यचक्र, गंगासागर राय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
3	भासना रूपकोनुं अनुशीलन, डॉ. वसन्तकुमार भट्ट, सरस्वती प्रकाशन, अमदावाड
4	दशरूपकम् संपादक, डॉ. आर.पी. महेता, सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाड, 2010-11
5	संस्कृत नाटकोनो परियय, डॉ. तपस्वी नान्दी, युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बोर्ड, गांधीनगर
6	संस्कृत नाट्य समीक्षा, वेपक, डॉ. डी. जे. वेदिया, डॉ. द्विविधुश पटेल, डॉ. मंजुवा वीरडिया, भारत प्रकाशन, अमदावाड, प्रथम आवृत्ति, 2012
7	<a href="https://youtu.be/ndEDghz6kDs">https://youtu.be/ndEDghz6kDs</a>
8	<a href="https://youtu.be/oeZaOuTg8uk">https://youtu.be/oeZaOuTg8uk</a>

**SEMESTER :I**

**U.G. COURSES IN SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM FIRST YEAR B.A.  
SEMESTER: I MULTIDISCIPLINARY COURSES  
MD- SANS - 101 - Sanskrit Epic**

COURSE NO.	CREDIT	WORK HOURS	EXAM HOURS	TEXT/TOPICS
MD-101	3	3	3	Selections from the Epics of Kalidas (कुमारसम्भवम् नियतांशः) सर्ग -5

<b>Objectives</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ This course aims to get students acquainted with Classical Sanskrit Poetry.</li> <li>➤ It intends to give an understanding of literature through which students will be able to appreciate the development of Sanskrit Literature.</li> <li>➤ The course also seeks to help students to negotiate texts independently.</li> <li>➤ Aim of Sanskrit grammar is students know the basic concepts of Sanskrit grammar and linguistic.</li> </ul>			
<b>MD-101</b>			Self-study	<p><b>Unit – 1.</b> कुमारसम्भवम् सर्ग -05 (श्लोक 1थी 30)</p> <p><b>Unit –2.</b> कुमारसम्भवम् सर्ग – 05(31श्लोकथी 60)</p> <p><b>Unit –3.</b> कुमारसम्भवम् सर्ग – 05(61श्लोकथी 86)</p> <p><b>Units–4.</b> सं. महाकाव्यना लक्षणो कुमारसंभवम् नुं मूल्यांकन तथा सामाजिक एवं सास्कृतिक महत्त्व अने सं. पंचमहाकाव्यनो परिचय. <b>(Self-study)</b></p>
<b>Learning Outcomes</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ An increased ability to read and understand Sanskrit text.</li> <li>➤ Students would be know basic familiarity of the Sanskrit culture and religious background.</li> <li>➤ Identify and describe literary characteristics of poetic forms.</li> <li>➤ This course will enhance competence in chaste classical Sanskrit and give them skills in translation and interpretation of poetic works.</li> <li>➤ Students will be able to learn basic concepts of Sanskrit language.</li> </ul>			
<b>Reference Books:</b>				
1	कुमारसम्भवम्, (सर्ग -3 ,4), स्रग्धरा नान्दी, महाजन पब्लिशिंग हाउस, अमदावाड.			
2	कुमारसम्भवम्, नेमिचन्द्र शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.			
3	Kumarasambhavam, M. R. Kale (Ed.) Motilala Banarasidas, Delhi.			

4	कुमारसम्भवम्,संपादक, गौतम पटेल,संस्कृत साहित्य अकादमी, गांधीनगर
5	महाकाव्य नाट्य आस्वाद, लेखक,डॉ. डी.जु.वेदिया, डॉ. दिव्यशुभ पटेल, डॉ. मंजुषा वीरडिया, भारत प्रकाशन, अमदावाद, 2012
6	<a href="https://youtu.be/Y8CoDj43nSs">https://youtu.be/Y8CoDj43nSs</a> -1 <a href="https://youtu.be/224GMsOGIYQ">https://youtu.be/224GMsOGIYQ</a> -2 <a href="https://youtu.be/R4kP89-Expc">https://youtu.be/R4kP89-Expc</a> -3 <a href="https://youtu.be/xxFmRZJRSPw">https://youtu.be/xxFmRZJRSPw</a> -4
7	<a href="https://youtu.be/EMr8O4y5pJY">https://youtu.be/EMr8O4y5pJY</a>

**SEMESTER :I**

**U.G. COURSES IN SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM FIRST YEAR B.A.  
SEMESTER: I ABILITY ENHANCEMENT COURSE (LANGUAGE)  
AEC - SANS - 101 - Sanskrit Katha sahitya**

COURSE NO.	CREDIT	WORK HOURS	EXAM HOURS	TEXT/TOPICS
AEC-101	3	3	3	पञ्चतन्त्रम् (मूलानुवाद-नियतांशः) काकोलूकीयम् (निर्णय सागर प्रेसनी आवृत्ति)

<b>Objective of Course</b>	This course aims to get the students acquainted with the outline of Sanskrit Niti literature including the text readings of the Panchatantram with the General Introduction to Sanskrit Literature.			
<b>AEC-101</b>			Self-study	<b>Unit-1.</b> पञ्चतन्त्रम्-काकोलूकीय मांथी 1 थी 3 कथाओ. <b>Unit-2.</b> पञ्चतन्त्रम्-काकोलूकीमांथी 4 थी 6 कथाओ. <b>Unit-3.</b> पञ्चतन्त्रम्-काकोलूकीयमांथी 7 थी 9 कथाओ. <b>Units -4.</b> संस्कृत नीतिकथाओनो उद्भव एवं विकासः ,साम्प्रत समयमां नीतिकाथाओनी उपादयता <b>(Self-study)</b>
<b>Learning Outcomes</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ Ability to embraces moral/ethical values in conducting his/her life.</li> <li>➤ Capable of demonstrating the ability to identify ethical issues related to one's work.</li> <li>➤ Avoid unethical behaviour.</li> </ul>			
<b>Reference Books</b>				
1	पंचतंत्रम् (विष्णु शर्मा), श्यामचरण पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, 1975.			
2	पंचतंत्र, भोगीबाल संडेसरा, गुजराती साहित्य परिषद, अमदावाड.			
3	संस्कृत साहित्यमां कथाओ , लेखक, डॉ. रश्मिकान्त प. भडेटा,सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाड, प्रथम आवृत्ति, 2012-13			
4	Panchatantram (ed. and trans.), M.R. Kale, Motilal Banarasidas, Delhi, 1999.			
5	A Collection of Ancient Hindu Tales (ed.) Franklin Edgerton, Johannes Hertel, 1908.			
6	<a href="https://youtu.be/Es7627WifXI">https://youtu.be/Es7627WifXI</a>			

**SEMESTER :I**  
**U.G. COURSES IN SANSKRIT**  
**CHOICE BASED CREDIT SYSTEM FIRST YEAR B.A.**  
**SEMESTER: I SKILL ENHANCEMENT ABILITY COURSE/**  
**INTERNSHIP/DISSERATATION – 101**  
**SEC - SANS - 101 - VEDIK MATHEMATICS (वैदिक गणित)**

COURSE NO.	CREDIT	WORK HOURS	EXAM HOURS	TEXT/TOPICS
SEC-101	3	3	3	वैदिक गणित
<b>Objectives</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ The objective of this course is to introduce students to Indian Vedic Mathematics.</li> <li>➤ It includes Vedic mathematics along with Koot number(कूट संख्या) (sign language) addition, complement number, subtraction (mixed numbers), table formation, multiplication, comparison of fractions, general introduction to numbers.</li> </ul>			
<b>C.C.-101</b>				<b>Units – 1.</b> १. भारतीय गणितनो इतिहास, २. वेदोमां गणित, ३. वैदिक गणित परियय, ४. स्वामी श्री



				<p>ભારતીકૃષ્ણતીર્થજીનો પરિચય, પ. ફૂટ સંખ્યા (સાંકેતિક ભાષા)</p> <p><b>Units -2.</b></p> <p>૧. સરવાળા, ૨. બીજાંક, ૩. બીજાંકથી સરવાળાના ઉત્તરની ચકાસણી, ૪. પૂરક સંખ્યા, ૫. બાદબાકી, ૬. બીજાંકથી બાદબાકીના ઉત્તરની ચકાસણી, ૭. ઋણાંક, ૮. સરવાળા-બાદબાકી (મિશ્ર સંખ્યાઓ)</p> <p><b>Units -3.</b></p> <p>૧. ઘડીયાની રચના, ૨. ગુણાકાર ૩. બીજાંકથી ગુણાકારના ઉત્તરની ચકાસણી</p> <p><b>Units -4.</b></p> <p>૧. અપૂર્ણાંકની સરખામણી, ૨. સંખ્યાઓનો વર્ગ, ૩. બીજાંકથી વર્ગના ઉત્તરની ચકાસણી, ૪. સંખ્યાઓનો ઘન, ૫. સંખ્યાઓનો વર્ગમૂળ, ૬. સંખ્યાઓનો ઘનમૂળ</p>
			Self-study	
<b>Learning Outcomes</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ Increases memory of students.</li> <li>➤ Increases decision-making ability in students.</li> <li>➤ In competitive exams it is very helpful in doing quick calculations.</li> </ul>			
<b>Reference Books:</b>				
1	વૈદિક ગણિત – જગદ્ગુરુ સ્વામીભારતીકૃષ્ણતીર્થજી મહારાજ, મોતીલાલ બનારસીદાસ પબ્લિશર્સ, પ્રા.લી. દિલ્લી			
2	વૈદિક ગણિત – ધોરણ – ૬,૭,૮,૯,૧૦ – ગુજરાત રાજ્ય શાળા પાઠ્યપુસ્તક મંડળ			
3	વૈદિક ગણિત – (પ્રથમા-૧) ધોરણ – ૯ – ગુજરાત રાજ્ય શાળા પાઠ્યપુસ્તક મંડળ			
4	વૈદિક ગણિત – (પ્રથમા-૨) ધોરણ – ૧૦ – ગુજરાત રાજ્ય શાળા પાઠ્યપુસ્તક મંડળ			
5	વૈદિક ગણિત નિર્દેશિકા – સંસ્કારગુર્જરી, ગુજરાત પ્રદેશ			

6	वैदिक गणित निर्देशिका – भाग – 1,2,3 – हिन्दी भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान
7	वैदिक गणित – अतीत, वर्तमान एवं भविष्य – शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली
8	वैदिक गणित – विशिष्ट अध्ययन, डॉ. नरेन्द्र पंयोवी, श्रीसोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावल.
9	<a href="https://youtu.be/P9wSg-HCWu8">https://youtu.be/P9wSg-HCWu8</a>

**SEMESTER :I**

**U.G. COURSES IN SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM FIRST YEAR B.A.  
SEMESTER: I COMMON VALUE ADDED COURSE 101**

**CVAC - SANS - 101 - SRIMAD BHAGAVAD GITA**

COURSE NO.	CREDIT	WORK HOURS	EXAM HOURS	TEXT/TOPICS
CVAC-101	3	3	3	श्रीमद्भगवद्गीता – अध्याय 3 & 10, यक्ष-युधिष्ठिर-संवादः
<b>Objectives</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ The objective of this course is to study the philosophy of self-management in the Gita.</li> <li>➤ The course seeks to help students negotiate the text independently without referring to the traditional commentaries so as to enable them to experience the richness of the text.</li> <li>➤ To create awareness about Yoga, to cultivate importance of Yoga practices, to improve individual and social health through Yoga.</li> </ul>			
CVAC-101				<b>Units – 1.</b> श्रीमद्भगवद्गीता(अ. – 3 , श्लोक 1-22) <b>Units –2.</b> श्रीमद्भगवद्गीता(अ. – 3 , श्लोक 23-43) <b>Units –3.</b> श्रीमद्भगवद्गीता (अ. – 10)

			Self-study	<b>Units -4. यक्ष-युधिष्ठिर-संवादः</b>
<b>Learning Outcomes</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ This course is to develop cultural and historical sensibility particularly indigenous traditions, socio-cultural context and diversity.</li> <li>➤ Developing Moral &amp; Ethical Awareness &amp; reasoning.</li> <li>➤ Developing patriotism with a sense of responsibility in student.</li> <li>➤ Application to Psychology related Problems.</li> <li>➤ Self development &amp; self regulation skills.</li> <li>➤ -Developing memorization skill of student.</li> <li>➤ .Students will be able to know about 'Ashtangyoga'</li> <li>➤ This Topics will be very use full in daily life in present time.</li> </ul>			
<b>Reference Books:</b>				
<b>1</b>	श्रीमद्भगवद्गीता। शंकराचार्य भाष्य सहित। गीताप्रेस गोरखपुर।			
<b>2</b>	श्रीमद्भगवद्गीता (सरस्वतीकृतमधुसूदन गूढार्थदीपिकाव्याख्या सहित) (व्याख्याकार) अग्रवाल मदनमोहन। चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी। (२०१३)			
<b>3</b>	श्रीमद्भगवद्गीता, व्याख्याकार राधाकृष्णन् एस., राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली। (१९६९)			
<b>4</b>	गीता रहस्य याने कर्मयोगशास्त्र, बालगंगाधर तिलक			
<b>5</b>	श्रीमद्भगवद्गीता संपादक शास्त्रीसी.एव, द्वे पी.सी.,अपिल हिन्द प्रकाशन, अमदावाद. द्वितीय संस्करण. (१९६८)			
<b>6</b>	श्रीमद्भगवद्गीता ,संपा,आवा,सुडास.सरस्वती प्रकाशन,अमदावाद. प्रथम आवृत्ति. (२००२)			

7	Shree Patanjalyogdarshan with Rhashyadipikatika- Pujya Naththu mahraj, (Aanand Ashram Bilkha –Saurashtra ) Publisher Shri Hrajivan Shah, 1999.
8	पतंजलिना योगसूत्रो, रामकृष्ण तुलजराम व्यास,संस्कृत साहित्य अकादमी , गांधीनगर
9.	महाभारतम्, गीताप्रेस गोरखपूर
10	<a href="https://youtu.be/g4oEUP4Ztas">https://youtu.be/g4oEUP4Ztas</a>
11	<a href="https://youtu.be/k5JSbPHGHRk">https://youtu.be/k5JSbPHGHRk</a>
12	<a href="https://youtu.be/a0FGJEZqdHY">https://youtu.be/a0FGJEZqdHY</a>
13	<a href="https://youtu.be/nJPeJtL9eqQ">https://youtu.be/nJPeJtL9eqQ</a>

**(प्रथम सेमिस्टर समाप्त)**

**SEMESTER :II**

**U.G. COURSES IN SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM FIRST YEAR B.A.  
SEMESTER: II DISCIPLINE SPECIFIC COURSE - MAJOR  
DSCM- SANS - 201 - Sanskrit Epic**

COURSENO.	CREDIT	WORK HOURS	EXAM HOURS	TEXT/TOPICS
-----------	--------	------------	------------	-------------

DSCM-201	3	3	3	<b>Selection from the Poetry of Kalidas (रघुवंशम् सर्ग-1)</b>
<b>Objectives</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ This course aims to get students acquainted with Classical Sanskrit Poetry.</li> <li>➤ It intends to give an understanding of literature through which students will be able to appreciate the development of Sanskrit Literature.</li> <li>➤ The course also seeks to help students to negotiate texts independently.</li> </ul>			
<b>DSCM-201</b>			Self-study	<b>Units – 1</b> रघुवंशम् सर्ग-1 (श्लोक- 1 थी 20) <b>Units – 2</b> रघुवंशम् सर्ग-1 (श्लोक- 21 थी 40) <b>Units – 3</b> रघुवंशम् सर्ग-1 (श्लोक- 41 थी 66) <b>Units – 4</b> सं.महाकाव्यना लक्षणो रघुवंशम् नुं मूल्यांकन तथा सामाजिक एवं सास्कृतिक महत्त्व अने रघुवंशमां फलित तथा नेताना लक्षणो.सं. पंचमहाकाव्यनो परिचय. ( <b>Self-study</b> )
<b>Learning Outcomes</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ An increased ability to read and understand Sanskrit text.</li> <li>➤ Students would be knowing basic familiarity of the Sanskrit culture and religious background.</li> <li>➤ Identify and describe literary characteristics of poetic forms.</li> <li>➤ This course will enhance competence in chaste classical Sanskrit and give them skills in translation and interpretation of poetic works.</li> <li>➤ Students will be able to learn basic concepts of Sanskrit language.</li> </ul>			
<b>Reference Books:</b>				
<b>1</b>	Raghuvamsham of Kalidas , Nirnay Sagar Press, Mumbai, 1987			

2	Raghuvamsham with Mallinath, Nirnay Sagar Press, Mumbai, 1987
3	Panch-mahakavya, Ed. Dhirubhai Parikh,, Kavya-lok, Ahmedabad,1987
4	Kavya-prakash of Mammata, Ed. Satyavrat Singh, Chaukhambha Vidyabhavan, VaRANASI, 1973
5	<a href="https://youtu.be/aMacqwf_uZc">https://youtu.be/aMacqwf_uZc\</a>
6	<a href="https://youtu.be/kjA-nTflwWc">https://youtu.be/kjA-nTflwWc</a>

**SEMESTER :II**

**U.G. COURSES IN SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM FIRST YEAR B.A.  
SEMESTER: II DISCIPLINE SPECIFIC COURSE - MAJOR  
DSCM- SANS - 202 - SRIMAD BHAGAVAD GITA(1-6)**

COURSE NO.	CREDIT	WORK HOURS	EXAM HOURS	TEXT/TOPICS
DSCM-202	3	3	3	श्रीमद्भगवद्गीता- 1 – 6 अध्याय

<b>Objectives</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ The objective of this course is to study the philosophy of self-management in the Gita.</li> <li>➤ The course seeks to help students negotiate the text independently without referring to the traditional commentaries so as to enable them to experience the richness of the text.</li> <li>➤ To create awareness about Yoga, to cultivate importance of Yoga practices, to improve individual and social health through Yoga.</li> </ul>			
<b>DSCM-202</b>			Self-study	<p><b>Units – 1.</b> श्रीमद्भगवद्गीता(अ. 1 तथा 2)</p> <p><b>Units –2.</b> श्रीमद्भगवद्गीता (अ. 3 तथा 4)</p> <p><b>Units –3.</b> श्रीमद्भगवद्गीता(अ. 5 तथा 6)</p> <p><b>Units –4.</b> पातंजल-योगमां आ८ अंगोनो परियय.</p>
<b>Learning Outcomes</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ This course is to develop cultural and historical sensibility particularly indigenous traditions, socio-cultural context and diversity.</li> <li>➤ Developing Moral &amp; Ethical Awareness &amp; reasoning.</li> <li>➤ Developing patriotism with a sense of responsibility in student.</li> <li>➤ Application to Psychology related Problems.</li> <li>➤ Self development &amp; self regulation skills.</li> <li>➤ Developing memorization skill of student.</li> <li>➤ Students will be able to know about 'Ashtangyoga'</li> <li>➤ This Topics will be very use full in daily life in present time.</li> </ul>			
<b>Reference Books:</b>				
1	श्रीमद्भगवद्गीता। शंकराचार्य भाष्य सहित। गीताप्रेस गोरखपुर।			

2	श्रीमद्भगवद्गीता (सरस्वतीकृतमधुसूदन गूढार्थदीपिकाव्याख्या सहित) (व्याख्याकार) अग्रवाल मदनमोहन।चौखम्बासंस्कृत प्रतिष्ठान,वाराणसी।(२०१३)
3	श्रीमद्भगवद्गीता, व्याख्याकार राधाकृष्णन् एस., राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली। (१९६९)
4	गीता रहस्य याने कर्मयोगशास्त्र, बालगंगाधर तिलक
5	श्रीमद्भगवद्गीता संपादक शास्त्रीसी.एव, एवे पी.सी.,अप्पिल हिन्द प्रकाशन, अमदावाह. द्वितीय संस्करण. (१९६८)
6	श्रीमद्भगवद्गीता ,संपा,आवा,सुहास.सरस्वती प्रकाशन,अमदावाह. प्रथम आवृत्ति. (२००२)
7	Shree Patanjalyogdarshan with Rhashyadipikatika- Pujya Naththu mahraj, (Aanand Ashram Bilkha –Saurashtra ) Publisher Shri Hrajivan Shah, 1999.
8	पतंजलिना योगसूत्रो, रामकृष्ण तुलजाराम व्यास,संस्कृत साहित्य अकादमी , गांधीनगर
9	<a href="https://youtu.be/yhqYOUyfC8I">https://youtu.be/yhqYOUyfC8I</a> (अ.-1) <a href="https://youtu.be/1W0iZEraQ0I">https://youtu.be/1W0iZEraQ0I</a> (अ.-12) <a href="https://youtu.be/X7Qu6pbxL1Q">https://youtu.be/X7Qu6pbxL1Q</a> (अ.-3) <a href="https://youtu.be/p0FFktUqSV0">https://youtu.be/p0FFktUqSV0</a> (अ.-4) <a href="https://youtu.be/fperLubDo_8">https://youtu.be/fperLubDo_8</a> (अ.-5) <a href="https://youtu.be/fN8ZJ4URPWQ">https://youtu.be/fN8ZJ4URPWQ</a> (अ.-6)

**SEMESTER :II**

**U.G. COURSES IN SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM FIRST YEAR B.A.  
SEMESTER: II DISCIPLINE SPECIFIC COURSE - MINOR  
MI- SANS - 201 - Sanskrit Epic**

COURSENO.	CREDIT	WORK HOURS	EXAM HOURS	TEXT/TOPICS
MI-201	3	3	3	Selection from the Poetry of Kalidas (रघुवंशम् सर्ग-1)



<b>Objectives</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ This course aims to get students acquainted with Classical Sanskrit Poetry.</li> <li>➤ It intends to give an understanding of literature through which students will be able to appreciate the development of Sanskrit Literature.</li> <li>➤ The course also seeks to help students to negotiate texts independently.</li> </ul>		
<b>MI-201</b>		Self-study	<p><b>Units – 1</b> रघुवंशम् सर्ग-1 (श्लोक- 1 थी 20)  <b>Units – 2</b> रघुवंशम् सर्ग-1 (श्लोक- 21 थी 40)  <b>Units – 3</b> रघुवंशम् सर्ग-1 (श्लोक- 41 थी 66)  <b>Units – 4</b> सं.महाकाव्यना लक्षणो रघुवंशम् नुं मूल्यांकन तथा सामाजिक एवं सास्कृतिक महत्त्व अने रघुवंशमां फलित थता नेताना लक्षणो.सं. पंचमहाकाव्यनो परिचय. (<b>Self-study</b>)</p>
<b>Learning Outcomes</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ An increased ability to read and understand Sanskrit text.</li> <li>➤ Students would be knowing basic familiarity of the Sanskrit culture and religious background.</li> <li>➤ Identify and describe literary characteristics of poetic forms.</li> <li>➤ This course will enhance competence in chaste classical Sanskrit and give them skills in translation and interpretation of poetic works.</li> <li>➤ Students will be able to learn basic concepts of Sanskrit language.</li> </ul>		
<b>Reference Books:</b>			
<b>1</b>	Raghuvamsham of Kalidas , Nirnay Sagar Press, Mumbai, 1987		
<b>2</b>	Raghuvamsham with Mallinath, Nirnay Sagar Press, Mumbai, 1987		

3	Panch-mahakavya, Ed. Dhirubhai Parikh,, Kavya-lok, Ahmedabad,1987
4	Kavya-prakash of Mammat, Ed. Satyavrat Sinh, Chaukhambha Vidyabhavan, VaRANASI, 1973
5	<a href="https://youtu.be/aMacqwf_uZc">https://youtu.be/aMacqwf_uZc\</a>
6	<a href="https://youtu.be/kjA-nTflwWc">https://youtu.be/kjA-nTflwWc</a>

**SEMESTER :II**

**U.G. COURSES IN SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM FIRST YEAR B.A.  
SEMESTER: II DISCIPLINE SPECIFIC COURSE - MINOR  
MI- SANS - 202 - SRIMAD BHAGAVAD GITA (1-6)**

COURSE NO.	CREDIT	WORK HOURS	EXAM HOURS	TEXT/TOPICS
MI-202	3	3	3	श्रीमद्भगवद्गीता- 1 – 6 अध्याय
<b>Objectives</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ The objective of this course is to study the philosophy of self-management in the Gita.</li> <li>➤ The course seeks to help students negotiate the text independently without referring to the traditional commentaries so as to enable them to experience the richness of the text.</li> <li>➤ To create awareness about Yoga, to cultivate importance of Yoga practices, to improve individual and social health through Yoga.</li> </ul>			

<b>MI-202</b>			<p><b>Units – 1.</b> श्रीमद्भगवद्गीता(अ. 1 तथा 2)  <b>Units –2.</b> श्रीमद्भगवद्गीता (अ. 3 तथा 4)  <b>Units –3.</b> श्रीमद्भगवद्गीता(अ. 5 तथा 6)  <b>Units –4.</b> पातंजल-योगमां आठ अंगोनो परियय</p> <p>Self-study</p>
<b>Learning Outcomes</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ This course is to develop cultural and historical sensibility particularly indigenous traditions, socio-cultural context and diversity.</li> <li>➤ Developing Moral &amp; Ethical Awareness &amp; reasoning.</li> <li>➤ Developing patriotism with a sense of responsibility in student.</li> <li>➤ Application to Psychology related Problems.</li> <li>➤ Self development &amp; self regulation skills.</li> <li>➤ Developing memorization skill of student.</li> <li>➤ Students will be able to know about 'Ashtangyoga'</li> <li>➤ This Topics will be very use full in daily life in present time.</li> </ul>		
<b>Reference Books:</b>			
<b>1</b>	श्रीमद्भगवद्गीता। शंकराचार्य भाष्य सहित। गीताप्रेस गोरखपुर।		
<b>2</b>	श्रीमद्भगवद्गीता (सरस्वतीकृतमधुसूदन गूढार्थदीपिकाव्याख्या सहित) (व्याख्याकार) अग्रवाल मदनमोहन। चौखम्बासंस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी। (२०१३)		
<b>3</b>	श्रीमद्भगवद्गीता, व्याख्याकार राधाकृष्णन् एस., राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली। (१९६९)		
<b>4</b>	गीता रहस्य याने कर्मयोगशास्त्र, बालगंगाधर तिलक		
<b>5</b>	श्रीमद्भगवद्गीता संपादक शास्त्रीसी.एल, एवे पी.सी., अप्पिल हिन्द प्रकाशन, अमदावाड. द्वितीय संस्करण. (१९६८)		

6	श्रीमद्भगवद्गीता ,संपा,आवा,सुडास.सरस्वती प्रकाशन,अमदावाढ. प्रथम आवृत्ति. (२००२)
7	Shree Patanjalyogdarshan with Rhashyadipikatika- Pujya Naththu mahraj, (Aanand Aashram Bilkha –Saurashtra ) Publisher Shri Hrajivan Shah, 1999.
8	पतंजलिना योगसूत्रो, रामकृष्ण तुलजाराम व्यास,संस्कृत साहित्य अकादमी , गांधीनगर
9	<a href="https://youtu.be/yhqYOUyfC8I">https://youtu.be/yhqYOUyfC8I</a> (अ.-1) <a href="https://youtu.be/1W0iZEraQ0I">https://youtu.be/1W0iZEraQ0I</a> (अ.-12) <a href="https://youtu.be/X7Qu6pbxL1Q">https://youtu.be/X7Qu6pbxL1Q</a> (अ.-3) <a href="https://youtu.be/p0FFktUqSV0">https://youtu.be/p0FFktUqSV0</a> (अ.-4) <a href="https://youtu.be/fperLubDo_8">https://youtu.be/fperLubDo_8</a> (अ.-5) <a href="https://youtu.be/fN8ZJ4URPWQ">https://youtu.be/fN8ZJ4URPWQ</a> (अ.-6)

### SEMESTER :II

#### U.G. COURSES IN SANSKRIT CHOICE BASED CREDIT SYSTEM FIRST YEAR B.A. SEMESTER: II MULTIDISCIPLINARY COURSES MD- SANS - 201 - SANSKRIT PROSE LITERATURE

COURSE NO.	CREDIT	WORK HOURS	EXAM HOURS	TEXT/TOPICS
MD-201	3	3	3	Prose Literature (श्रीलक्ष्मणशास्त्रि-तैलङ्ग-कृत- सिन्धुवादवृत्तम्)
<b>Objectives</b>	<p>➤ This course aims to acquaint students with most famous historical Narration of Sanskrit Literature. The course also seeks to help students to negotiate texts independently.</p>			

<b>MD-201</b>				<b>Units – 1</b> प्रथमवृत्तात् तृतीयवृत्त पर्यन्तम् <b>Units – 2</b> चतुर्थवृत्तात् षष्ठवृत्तपर्यन्तम् <b>Units – 3</b> सप्तमवृत्तम् <b>Units – 4</b> संस्कृत प्रशिष्ट गद्य साहित्य नो परिचयात्मक इतिहास (Self-study)
<b>Objectives</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ This course aims to get the students acquainted with the outline of Sanskrit Niliterature including the text readings of the 'Hitopadesh'.</li> <li>➤ General Introduction of Origin and Development Of Pranikatha.</li> <li>➤ To give the moral and ethical values through the interesting medium of stories.</li> </ul>			
<b>Reference Books:</b>				
<b>1</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ Text: श्रीलक्ष्मणशास्त्रीकृत तैलङ्गकृत सिन्धुवादवृत्तम् ( Jagannath Shastri Tailang, Publisher, Sharada Sanskrit Sansthan Varanasi Language Sanskrit Text With Word To Word Meaning And Hind Translation Edition 2004)</li> </ul>			

**SEMESTER :II**

**U.G. COURSES IN SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM FIRST YEAR B.A.  
SEMESTER: II ABILITY ENHANCEMENT COURSE (LANGUAGE)  
AEC - SANS - 201 - Sanskrit Katha sahitya**

<b>COURSE NO.</b>	<b>CREDIT</b>	<b>WORK HOURS</b>	<b>EXAM HOURS</b>	<b>TEXT/TOPICS</b>
<b>AEC-201</b>	<b>3</b>	<b>3</b>	<b>3</b>	<b>कथा साहित्य (Katha sahitya)</b> <b>हितोपदेशः (नियतांशः)</b> <b>श्रीधरप्रकाशन, वाराणसीनी</b> <b>आवृत्ति</b>

<b>Objectives</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ This course aims to get the students acquainted with the outline of Sanskrit Nitiliterature including the text readings of the 'Hitopadesh'.</li> <li>➤ General Introduction of Origin and Development OfPranikatha.</li> <li>➤ To give the moral and ethical values through the interesting medium of stories.</li> </ul>			
<b>AEC-201</b>			Self study	<p><b>Unit –1.</b> હિતોપદેશનો પરિચય</p> <p><b>Unit –2.</b> હિતોપદેશ –કથામુખ્ ભાગ તથા મિત્રલાભની પ્રથમ કથા (અનુવાદ તથા વિવેચન) (આ અંશમાંથીપદ– 1 સિદ્ધિ: સાધ્યે ..। થીલઈને પદ 30 ન દેવમપિ .. । સુધીના માત્ર પદોનો અનુવાદ પરીક્ષણાર્થે નિર્ધારિત છે.)</p> <p><b>Unit –3.</b> હિતોપદેશ-સુહૃદ્-ભેદનો પ્રારંભિક ભાગ અને કથા 1 તથા 2 (અનુવાદ તથા વિવેચન) (પ્રારંભિક ભાગમાં પદ 1. વર્ધમાનો મહાસ્નેહો .. । થીલઈને પદ 30 અવ્યાપારેષુ વ્યાપારમ્ .. । સુધીના માત્ર પદોનો અનુવાદ પરીક્ષણાર્થે નિર્ધારિત છે.)</p> <p><b>Units –4.</b> હિતોપદેશની ત્રણ કથાઓ(કથાનો નીતિબોધ અને સમીક્ષા) 1. મિત્રલાભ કથા 6 (કર્તવ્ય:સંયયોનિત્યમ્ના બોધવાળી) 2. સુહૃદ્ભેદ કથા 7 (ઉપાયેન હિ યતચ્છક્યમ્ ના બોધવાળી) તથા 3. સન્ધિ કથા 4 (ઉપાયંચિન્તયેત્..। ના બોધવાળી) <b>(Self study)</b></p>

<b>Learning Outcomes</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ Ability to embraces moral/ethical values in conducting his/her life.</li> <li>➤ Capable of demonstrating the ability to identify ethical issues related to one's work.</li> <li>➤ Avoid unethical behavior.</li> </ul>
<b>Reference Books:</b>	
1	हितोपदेश : (मित्रवाभ)संपा.डॉ.नारायण कंसारा, सरस्वती पुस्तक भंडार. अमदावाद(१९७८).
2	हितोपदेश,संपा,डॉ.विजय.पंड्यापार्श्व पब्लिकेशन अमदावाद.प्रथम आवृत्ति. (१९९०)
3	हितोपदेश: संपादक,डॉ. एस.जे. दवे,सरस्वती पुस्तक भंडार. अमदावाद.
4	हितोपदेश: संपादक, डॉ. शांतिकुमार पंड्या,पार्श्व पब्लिकेशन,अमदावाद
5	<a href="https://youtu.be/qZpvV1ILxzg">https://youtu.be/qZpvV1ILxzg</a>
6	<a href="https://youtu.be/gWLstqE--II">https://youtu.be/gWLstqE--II</a>
7	<a href="https://youtu.be/74CvrnZfeKA">https://youtu.be/74CvrnZfeKA</a>
8	<a href="https://youtu.be/PhZNV6G1Dv8">https://youtu.be/PhZNV6G1Dv8</a>
9	<a href="https://youtu.be/DujlgLUfgn4">https://youtu.be/DujlgLUfgn4</a>
10	<a href="https://youtu.be/7vaMcixHsl4">https://youtu.be/7vaMcixHsl4</a>

**SEMESTER :II**

**U.G. COURSES IN SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM FIRST YEAR B.A.  
SEMESTER: II SKILL ENHANCEMENT ABILITY COURSE/  
INTERNSHIP/DISSERATATION – 201  
SEC - SANS - 201 - ARCHITECTURE (वास्तुविज्ञानम्)**

COURSE NO.	CREDIT	WORK HOURS	EXAM HOURS	TEXT/TOPICS
SEC-201	3	3	3	वास्तुविज्ञानम्
<b>Objectives</b>	➤ This course aims to get the students acquainted with the science of Vaastu Shastra.			
SEC-201			Self-study	<b>Unit –1.</b> मयमतम् <b>Unit –2.</b> मयमतम् <b>Unit –3.</b> मयमतम् <b>Units –4.</b> वास्तु शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास( <b>Self-study</b> )
<b>Learning Outcomes</b>	➤ Ability to embraces the Science behind the Vaastu Shastra.			
1	सम्पूर्ण वास्तुशास्त्र सम्पादक, डॉ. भोजराज द्विवेदी, प्रकाशन- डायमंड पॉकेट बुक्स , नई दिल्ली, 110022, 2006			
2	<a href="https://books.google.co.in/books?id=jODMaRAmP-8C&amp;printsec=frontcover&amp;dq=vastu+shastra&amp;hl=en&amp;newbks=1&amp;newbks_redir=0&amp;source=gb_mobile_search&amp;sa=X&amp;redir_esc=y#v=onepage&amp;q=vastu%20shastra&amp;f=false">https://books.google.co.in/books?id=jODMaRAmP-8C&amp;printsec=frontcover&amp;dq=vastu+shastra&amp;hl=en&amp;newbks=1&amp;newbks_redir=0&amp;source=gb_mobile_search&amp;sa=X&amp;redir_esc=y#v=onepage&amp;q=vastu%20shastra&amp;f=false</a>			
3	<a href="https://www.google.co.in/books/edition/The_Journey_of_Vastu_Shastra/1Ri7xwEACAAJ?hl=en">https://www.google.co.in/books/edition/The_Journey_of_Vastu_Shastra/1Ri7xwEACAAJ?hl=en</a>			

### SEMESTER :II

**U.G. COURSES IN SANSKRIT**  
**CHOICE BASED CREDIT SYSTEM FIRST YEAR B.A.**  
**SEMESTER: II COMMON VALUE ADDED COURSE 201**  
**CVAC - SANS - 201 - SRIMAD BHAGAVAD GITA**



COURSE NO.	CREDIT	WORK HOURS	EXAM HOURS	TEXT/TOPICS
CVAC-201	3	3	3	श्रीमद्भगवद्गीता – अध्याय 12 & 16, यक्ष-युधिष्ठिर-संवादः
<b>Objectives</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ The objective of this course is to study the philosophy of self-management in the Gita.</li> <li>➤ The course seeks to help students negotiate the text independently without referring to the traditional commentaries so as to enable them to experience the richness of the text.</li> <li>➤ To create awareness about Yoga, to cultivate importance of Yoga practices, to improve individual and social health through Yoga.</li> </ul>			
CVAC - 201			Self-study	<b>Units – 1.</b> श्रीमद्भगवद्गीता(अ. – 12) <b>Units –2.</b> श्रीमद्भगवद्गीता (अ. – 16, श्लोक 1-12) <b>Units –3.</b> श्रीमद्भगवद्गीता (अ. – 16, श्लोक 13-24) <b>Units –4.</b> यक्ष-युधिष्ठिर-संवादः (Self-study)
<b>Learning Outcomes</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ This course is to develop cultural and historical sensibility particularly indigenous traditions, socio-cultural context and diversity.</li> <li>➤ Developing Moral &amp; Ethical Awareness &amp; reasoning.</li> <li>➤ Developing patriotism with a sense of responsibility in student.</li> <li>➤ Application to Psychology related Problems.</li> <li>➤ Self-development &amp; self-regulation skills.</li> <li>➤ Developing memorization skill of student.</li> <li>➤ Students will be able to know about ‘Ashtangyoga’</li> <li>➤ This Topics will be very use full in daily life in present time.</li> </ul>			

Reference Books:	
1	श्रीमद्भगवद्गीता। शंकराचार्य भाष्य सहित। गीताप्रेस गोरखपुर।
2	श्रीमद्भगवद्गीता (सरस्वतीकृतमधुसूदन गूढार्थदीपिकाव्याख्या सहित) (व्याख्याकार) अग्रवाल मदनमोहन। चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी। (२०१३)
3	श्रीमद्भगवद्गीता, व्याख्याकार राधाकृष्णन् एस., राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली। (१९६९)
4	गीता रहस्य याने कर्मयोगशास्त्र, बालगंगाधर तिलक
5	श्रीमद्भगवद्गीता संपादक शास्त्रीसी.ओव, दवे पी.सी., अप्पिल हिन्द प्रकाशन, अमदावाड. द्वितीय संस्करण. (१९६८)
6	श्रीमद्भगवद्गीता ,संपा,जावा,सुहास.सरस्वती प्रकाशन,अमदावाड. प्रथम आवृत्ति. (२००२)
7	Shree Patanjalyogdarshan with Rhashyadipikatika- Pujya Naththu mahraj, (Aanand Aashram Bilkha –Saurashtra ) Publisher Shri Hrajivan Shah, 1999.
8	<a href="https://youtu.be/v4bV6IDxOMc">https://youtu.be/v4bV6IDxOMc</a>
9.	<a href="https://youtu.be/sosTze3oJMw">https://youtu.be/sosTze3oJMw</a>

(द्वितीय सेमिस्टर समाप्त)-

-- 00 --